

Date: 02/01/2024

## जर्मन शहर मा

सात समोदर पार छौं, जर्मन शहर मा  
राजी चांदू खुशी ,मैं तवे तैं घर मा  
सात समोदर पार छौं, ये परदेश मा  
राजी चांदू खुशी ,तुमारी घर मा

बाडूली पराज ,खुद गला आई छः  
जाणदु छू घर मा ,तू भी खुदायी छा  
टक लगी दिन रात , फोन की आस मा  
राजी चांदू खुशी ,मैं तवे तैं घर मा

स्वीणा मा जु देखी ,उठी त्वे खोजणु छौं  
सात समोदर दूर ,मन उड़ी आणु छै  
सरील यखी छा ,मन तेरा पास मा  
राजी चांदू खुशी ,मैं तवे तैं घर मा

जब दिन औंदा ,त्योहार मेलु का  
बेटी खोजदी होली ,मेरी निशानी छैलू मा  
खुदया ब्वे बाबू जी, बैठ्या होला तिबारी मा  
राजी चांदू खुशी ,मैं तवे तैं घर मा

आयूँ छा परदेश, द्वी रोटी का बाना  
खुदयाई जिकुडी ,न के अपणा बिराणा

बगवाली मा आलू,मैं अपणा परिवार मा  
बगवाली मा आलू,मैं तेरा पास मा  
राजी चांदू खुशी ,मैं तवे तैं घर मा

**By : धूम सिंह रावत**

**देश दीपक नौटियाल**